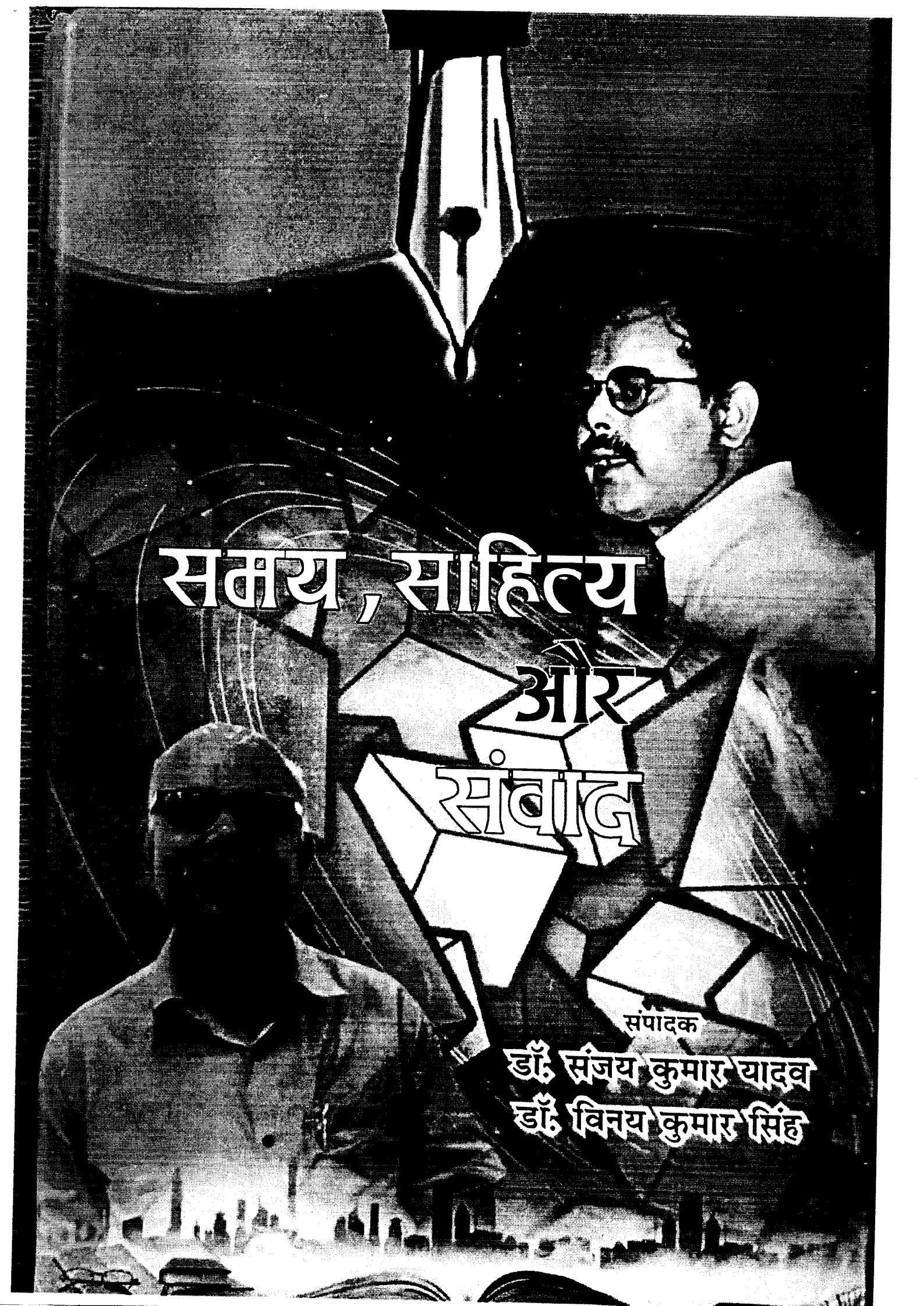




समय, साहित्य और संवाद

संपादक

डॉ. संजय कुमार यादव
डॉ. विनय कुमार सिंह

समय, साहित्य और संवाद

संपादक

डॉ. संजय कुमार यादव

डॉ. विनय कुमार सिंह



अभिधा प्रकाशन

परामर्शक-मंडल

प्रो. कल्याण कुमार झा, डॉ. राकेश रंजन, डॉ. सुनील कुमार

संपादक-मंडल

डॉ. हेमा कुमारी, डॉ. भोला प्रसाद यादव, डॉ. ज्ञानेश्वर 'गुंजन', अतुल आजाद

ISBN : 978-93-92342-46-2

प्रथम संस्करण

2022

सर्वाधिकार

लेखकाधीन

प्रकाशक

अभिधा प्रकाशन

रामदयालु नगर, मुजफ्फरपुर-842002

दिल्ली कार्यालय

जी72, गंगा विहार, गोकुलपुरी, दिल्ली-110094

अक्षर-संयोजन

एस. कुमार

आवरण

हिमांशु राज

मुद्रक

बी० के० ऑफसेट, दिल्ली-32

मूल्य

1100/- (ग्यारह सौ रुपये)

Samay, Sahitya aur Samwad

Edited By Dr. Sanjay Kumar Yadav & Dr. Vinay Kumar Singh

Rs. 1100.00

अनुक्रम

संपादकीय

शब्द-सारथी की अक्षर-यात्रा/ डॉ. संजय कुमार यादव एवं डॉ. विनय कुमार सिंह/9

संस्मरण

1. श्रम, पुरुषार्थ और प्रतिभा का प्रतिमान : सतीश कुमार राय/
डॉ. परमेश्वर भक्त/13
2. 'पर-उपकार वचन मन काया' के विग्रह : डॉ. सतीश कुमार राय/
डॉ. जंगबहादुर पांडेय 'तारेश'/17
3. डॉ. सतीश कुमार राय का लेखकीय व संपादकीय व्यक्तित्व/
साकेत बिहारी शर्मा 'मंत्र मुदित'/28
4. साहित्य-सागर का अनमोल मोती/डॉ. गोरख प्रसाद मस्ताना/34
5. प्रतिमानों के प्रतिमान डॉ. सतीश कुमार राय 'अनजान'/चतुर्भुज मिश्र/38
6. संवाद का सहज संवेदन और संवेदन का सार्थक सृजन/डॉ. संजय पंकज/42
7. चंपारन का गौरव बढ़ानेवाले विद्वान डॉ. सतीश कुमार राय/
अंजनी कुमार सिन्हा/48
8. वो देखो! रौशन हुआ जाता है रस्ता.../डॉ. रामेश्वर द्विवेदी/51
9. अनजान को जितना मैंने जाना है/प्रो. (डॉ.) सुरेंद्र प्रसाद केसरी/61
10. चंपारन के रत्न : डॉ. सतीश कुमार राय/प्रो. (डॉ.) पुष्पा गुप्ता/64
11. डॉ. सतीश कुमार राय : एक सहज व्यक्तित्व/प्रो. (डॉ.) संत साह/69
12. प्रो. सतीश कुमार राय : सहज व्यक्तित्व के पुरुषार्थी/प्रो. राजीव कुमार झा/72
13. मेरी राय में प्रो. सतीश कुमार राय/डॉ. श्रीकांत सिंह/75
14. एक चुंबकीय व्यक्तित्व/डॉ. मधुसूदन मणि त्रिपाठी/78
15. डॉ. सतीश कुमार राय 'अनजान' से नामचीन तक/डॉ. मृगेंद्र कुमार/81
16. अनजान से अभिज्ञान तक/डॉ. तारकेश्वर उपाध्याय/88
17. मेरे लिए सतीश के होने का मतलब/डॉ. अनिल कुमार राय/92
18. उपलब्धियों के शिखर-पुरुष डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. शैल कुमारी वर्मा/95
19. शीतल झरने के भीठे पानी जैसा व्यक्तित्व : प्रो. सतीश कुमार राय जी!/
डॉ. शकील मोईन/98
20. गुफ्तगू में ही झलकती विद्वत्ता/जफर इमाम/100
21. भाई सतीश : एक दृष्टि/लालबाबू शर्मा/103

22. विरल व्यक्तित्व के धनी डॉ. सतीश कुमार राय 'अनजान'/
डॉ. रामनरेश पंडित रमण/105
23. नमामि वीथिनायकम्/डॉ. उपेंद्र प्रसाद/108
24. सतीश : मेरा मित्र/मनोज मोहन/113
25. हर दिल अजीज : प्रोफेसर सतीश कुमार राय/डॉ. राजीव कुमार/116
26. सहज और निश्छल साथी : सतीश कुमार राय/अशोक गुप्त/120
27. सहज, सरल और आत्मीय बंधु प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय/
अरविंद कुमार/124
28. जीवते शरदः शतम्/डॉ. मधु रचना/131
29. कर्मठता और मेधा के प्रतिमान भाई 'अनजान'/डॉ. नागेंद्र सिंह/134
30. भैया, साइकिल चलाना सीख लीजिए न/डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी/137
31. प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय 'अनजान' से जुड़े संस्मरण/सुरेश गुप्त/149
32. संघर्ष की प्रतिमूर्ति/अरुण गोपाल/163
33. डॉ. सतीश कुमार राय : एक साहित्यिक गौरव-पुरुष/डॉ. दिवाकर राय/165
34. प्रखर व्यक्तित्व, समर्पित शिष्यता डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. सीमा स्वधा/181
35. प्रोफेसर राय को जैसा मैंने जाना/डॉ. अनिता सिंह/185
36. डॉ. सतीश कुमार राय : मेरी नजरों में/डॉ. विजयिनी/187
37. अभिनव अनजान/डॉ. जगमोहन कुमार/189
38. मेरे प्रेरक, मेरे सर्जक : डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. हेमा कुमारी/193
39. अनमोल स्मृतियाँ/डॉ. चंद्रलता कुमारी/201
40. गुरुवर : एक परिचय/डॉ. राकेश कुमार/205
41. सहज व्यक्तित्व और प्रखर कर्तृत्व के प्रतिमान/डॉ. कुमार अनुभव/208
42. मेरे गुरुदेव डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. राकेश रंजन/212
43. सर के सान्निध्य में : एक संस्मरण/डॉ. हर्षलता सिंह/217
44. हिंदी के बहुआयामी साधक सतीश राय 'अनजान'/डॉ. संदीप कुमार सिंह/220
45. शोध की अभिलाषा से गुरुदेव मिले/डॉ. संजय कुमार सिंह/222
46. गुरुवर डॉ. सतीश कुमार राय के चरणों में समर्पित संस्मरण के दो शब्द/
डॉ. विजय कुमार पांडेय/225
47. अतीत के पन्नों में मेरे गुरुवर डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. रश्मि कुमारी/228
48. मेरे जीवन-पथ का पाथेय/डॉ. प्रकाश कुमार/232
49. समन्वय और सामंजस्य के अद्भुत कलाकार डॉ. सतीश कुमार राय/
डॉ. प्रीति मणि/237
50. हिंदी के विशाल छायादार वृक्ष प्रो. सतीश कुमार राय/डॉ. यशवंत कुमार/241

51. मेरे गुरु प्रो. सतीश कुमार राय/डॉ. प्रवेश कुमार पासवान/245
52. हिंदी साहित्य के नवल स्तंभ प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय/
डॉ. राजेश कुमार चंदेल/247
53. आकाशधर्मा गुरु/डॉ. जितेंद्र कुमार/250
54. आकाशधर्मा गुरुवर सतीश कुमार राय/डॉ. भोला प्रसाद यादव/253
55. सहजता, सरलता और सहृदयता के छतनार वटवृक्ष : श्रद्धेय गुरुवर/
डॉ. ज्ञानेश्वर 'गुंजन'/261
56. शोध-मर्मज्ञ प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय/डॉ. चंद्रभान राम/265
57. अभिनंदन-अभिनंदन/कुमारी रोशनी विश्वकर्मा/269
58. कवि सतीश कुमार राय को जितना मैं जानता हूँ/अविनाश कुमार पांडेय/272
59. सहज व्यक्तित्व : डॉ. सतीश कुमार राय/डॉ. गुंजन श्रीवास्तव/276
60. ज्ञान के सागर/डॉ. पूजा/279
61. आँखों देखा सुख/अतुल आजाद/281
62. प्रेरक व्यक्तित्व के प्रति श्रद्धा-निवेदन/रश्मि शर्मा/286
63. मेरे प्रेरक और दिशा-निर्देशक/शारदा सिन्हा/288
64. गुरु-कृपा और मैं/पिंकी कुमारी/290
65. दिशाबोध करानेवाले प्रेरक आचार्य सतीश कुमार राय/सुजाता कुमारी/292
66. आचार्यत्व को धन्य करनेवाले गुरु/गीतांजलि कुमारी/296
67. आदरणीय गुरुवर डॉ. सतीश कुमार राय/रेशमी कुमारी/299
68. मेरे अर्द्धनारीश्वर : मेरी दृष्टि में/प्रभा राय/302
69. मेरे पिता : जैसा मैंने जाना/डॉ. प्रज्ञा सुरभि/305
70. डॉ. सतीश कुमार राय : एक व्यक्तित्व के अनेक आयाम/समीक्षा सुरभि/309
71. 'अनजान' से अध्यक्ष तक/प्रो. त्रिविक्रम नारायण सिंह/318
72. सिद्ध आचार्य की षष्टिपूर्ति/प्रो. कल्याण कुमार झा/333
73. सारस्वत साधना के सिद्ध साधक : सतीश कुमार राय/डॉ. वीरेंद्रनाथ मिश्र/346
74. देखा न कोहकन कोई फ़रहाद के बग़ैर/डॉ. राकेश रंजन/350
75. ओहदेदार होने से अधिक आदमी होने की कला/डॉ. उज्ज्वल आलोक/361
76. शिक्षक, अध्यापक एवं गुरु के रूप में प्रो. (डॉ.) सतीश कुमार राय/
डॉ. सुशांत कुमार/367
77. 'हिंदी विभाग एक परिवार है'/डॉ. संध्या पांडेय/372
78. 'अपनी मिट्टी का ऋण अब तक नहीं उतार पाया हूँ!'/डॉ. पुष्पेंद्र कुमार/374
79. कुशल प्रशासक डॉ. सतीश कुमार राय/मनोज कुमार/384
80. प्रेरणादायक गुरु डॉ. सतीश कुमार राय/अमित कुमार कर्ण/386

मूल्यांकन

81. 'अब नहीं मैं गीत गाने जा रहा हूँ' : डॉ. सतीश कुमार राय : एक समग्र मूल्यांकन/प्रो. (डॉ.) अरुण कुमार/389
82. सतीश कुमार राय 'अनजान' का कवित्व : एक टिप्पणी/प्रो. रवींद्र उपाध्याय/412
83. उपेक्षित जनपदीय रचनाशीलता के प्रतिबद्ध संकलक-उद्धारक व्यक्तित्व/प्रो. रमेश ऋतंभर/415
84. चंपारन और प्रो. राय : कहियत भिन्न न भिन्न/डॉ. विनय कुमार सिंह/418
85. डॉ. सतीश कुमार राय की संपादन-दृष्टि/डॉ. सुनील कुमार/425
86. डॉ. सतीश कुमार राय की शोध एवं आलोचना-दृष्टि/डॉ. पवन कुमार/448
87. 'दर्द सहने की तो आदत बहुत पुरानी है'/डॉ. पंकज कर्ण/467
88. शोध का प्रतिमान : एकांकीकार भुवनेश्वर का यथार्थबोध/डॉ. अनिता कुमारी/471
89. कवि, शायर डॉ. सतीश कुमार राय/राहुल कुमार/475
90. प्रखर शोध-दृष्टि का प्रतिमान : पत्रकार प्रेमचंद/सपना कुमारी/479
91. डॉ. सतीश कुमार राय की आलोचना-दृष्टि/रितु प्रिया/488
92. समृद्ध साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपराओं का आईना/दिलीप कुमार/497
93. गोपाल सिंह 'नेपाली' : एक मूल्यांकन/सोनम कुमारी/501
94. डॉ. सतीश कुमार राय की दृष्टि में 'नेपाली'/प्रशांत प्रसाद/505

साक्षात्कार

95. डॉ. सतीश कुमार राय से एक अंतरंग बातचीत/ डॉ. माधव कुमार/514
96. 'अध्यापन मेरे लिए पेशा ही नहीं, धर्म भी है।'/
डॉ. सतीश कुमार राय से डॉ. अनु की बातचीत/537

कविता

97. साहित्यकार श्री सतीश कुमार राय की साठवीं वर्षगाँठ पर/ब्रतराज 'विकल'/542
98. हे ज्ञानवान!/डॉ. विनय कुमार सिंह/545
99. सतीश राय होने का मतलब/डॉ. सतीश कुमार 'साथी'/546
100. गुरुवर की अंतस्-गरिमा/अंजनी अपूर्वा/548
101. डॉ. सोनी की दो कविताएँ/549
102. वीणा द्विवेदी की दो कविताएँ/552
103. अक्षर-देह रजनीगंधा है/डॉ. संजय कुमार यादव/563

जीवन-वृत्त/577

चित्र-वीथिका/593

‘हिंदी विभाग एक परिवार है’

—डॉ. संध्या पांडेय

सजग साहित्य-चिंतक, कुशल वक्ता, यशस्वी प्राध्यापक एवं कवि-हृदय प्रोफेसर सतीश कुमार राय हिंदी विभाग, बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के वर्तमान विभागाध्यक्ष के गौरवपूर्ण पद पर प्रतिष्ठित हैं। अनवरत साहित्य-सेवा एवं कुशल अध्यापन के साथ-साथ उन्होंने अनेक महत्वपूर्ण प्रशासनिक पदों की जिम्मेदारियों का निर्वहण भी बड़ी कुशलतापूर्वक किया है। इन सभी विशिष्टताओं के अतिरिक्त उनके व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता, जो मैंने देखी, वह है विभाग के प्रत्येक सदस्य के प्रति उनका आत्मीय संवेदनशील व्यवहार। विभाग के सभी सदस्यों एवं छात्र-छात्राओं के हितसाधन हेतु उनकी तत्परता एवं सर्वजनहिताय की भावना से युक्त उनके सहज, विनोदी किंतु गंभीर व्यक्तित्व से परिचित हुए बिना कोई भी व्यक्ति नहीं रह सकता।

प्रोफेसर सतीश कुमार राय सर से मेरा प्रथम परिचय 27 सितंबर, 2019 को हुआ, जब मैंने विश्वविद्यालय हिंदी विभाग में सहायक प्राध्यापक के पद पर ज्वाइन किया। लगभग 15-20 मिनट की मुलाकात की इस अल्प अवधि में ही मैं उनके अभिभावकीय एवं स्नेहिल व्यक्तित्व से परिचित हुई। तबसे लेकर आज दो वर्ष, आठ माह की इस अवधि में उनका स्नेह और आशीष मुझे सतत मिलता रहा है। उन्होंने हमेशा एक बात कही कि “यह हिंदी विभाग एक परिवार है। हम इसे एक परिवार कहते हैं।” परिवार की जो अवधारणा भारतीय समाज में प्रचलित है और उसमें परिवार के मुखिया (अभिभावक) का जो दायित्व होता है, हमारे आदरणीय सर ने सदैव उसका पालन किया। जैसा कि कहा जाता है कि ‘परिवार ऐसे व्यक्तियों का समूह है, जिसमें सभी पारस्परिक कर्तव्य-बोध के आधार पर समान होने की चेतना या भावना रखते हैं।’ इस भाव-बोध को प्राथमिकता देते हुए पूरे विभाग-परिवार को एक सूत्र में बाँध उन्होंने सदैव विभाग को साहित्यिक, सामाजिक समृद्धि प्रदान करने की चेष्टा की। उनके कुशल नेतृत्व में

विभाग-परिवार ने अनेक महत्वपूर्ण कार्यक्रमों का सुगमतापूर्वक सफल आयोजन किया।

विभागाध्यक्ष प्रोफेसर सतीश कुमार राय के द्वारा अनेक आवश्यक योजनाओं को भी कार्यान्वित किया गया, जिससे विभाग की गरिमा एवं यश में उत्तरोत्तर वृद्धि होती रही है। उनके अब तक के कार्यकाल में पुस्तकालय का उद्घाटन, एकल काव्य-पाठ एवं एकल-व्याख्यान की शृंखला का आरंभ हुआ। साथ ही हिंदी विभाग के भूतपूर्व विभागाध्यक्ष एवं हिंदी साहित्य के गौरव, राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर' की प्रतिमा को स्थापित कर हिंदी साहित्य के धरोहर व्यक्तित्व के द्वारा जनचेतना को जागृत एवं प्रेरित करने का भी कार्य किया। इतना ही नहीं, नई उभरती प्रतिभाओं को पहचान दिलाने हेतु 'नया प्रस्थान' नाम की नवीन पत्रिका के दो विशेषांकों का सफल संपादन भी उनके द्वारा किया गया।

उन्होंने हमेशा यही कहा कि "विद्यार्थी हैं तो हम हैं; हमें विद्यार्थियों के कार्यों को सहज बनाने के लिए सदैव प्रस्तुत रहना चाहिए।" विद्यार्थियों के हित को ध्यान में रखते हुए विभाग में पुस्तकालय की व्यवस्था एवं सहकारी पुस्तक केंद्र को स्थापित करने का गुरुतर कार्य उन्होंने किया, जिससे विद्यार्थियों को पुस्तकें कम मूल्य में सहजता से उपलब्ध हो सकें।

कोरोना काल की इन त्रासद परिस्थितियों के बीच भी प्रोफेसर सतीश कुमार राय ने विभाग की साहित्यिक गतिविधियों में निरंतरता बनाए रखी, जो उनके कार्य के प्रति निष्ठा का परिचायक है। साहित्य-सेवा में संलग्न ऐसे कर्मठ, संवेदनशील विभागाध्यक्ष एवं हमारे विभाग के वरीय सदस्य प्रोफेसर सतीश कुमार राय के लिए मशहूर शायर बशीर बद्र का लिखा यह शेर बिल्कुल सटीक मालूम पड़ता है—

जिस दिन से चला हूँ मिरी मंजिल पे नजर है
आँखों ने कभी मील का पत्थर नहीं देखा।

—सहायक प्राध्यापक,
विश्वविद्यालय हिंदी विभाग,
बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय,
मुजफ्फरपुर।